सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी)

वार्षिक रिव्यु 2017–18

''वक्त भी सिखाता है और गुरू भी,
पर अंतर सिर्फ इतना है''
''गुरू सिखा कर इम्तेहान लेता है,
और वक्त इम्तेहान लेकर सिखाता है''

वक्त रोज ही नये इम्तेहान ले रहा है, और रोज कुछ न कुछ सीखा रहा है। अच्छी बुरी दोनों ही सीख हैं, उन्हीं सीखों से सबक लेकर हम आगे की कार्ययोजना तय करते है, व उन पर काम करते है। काम स्थानीय जरूरतों और लोगों (मुख्यतः महिलाओं) से मिलकर ही तय किये जाते है।

जुलाई 2018 में संस्था को स्थापित हुये 40 वर्ष हो गये। इन 40 वर्षो में बहुत अलग–अलग तरह के व रिमार्केवल कार्य संस्था द्वारा किये गये। और आज भी अलग हटकर, बिना किसी प्रचार–प्रसार के, बिना किसी ग्रान्ट के, कम से कम साधनों के साथ, सदस्यों, कार्यकारिणी व संस्था के शुभ चिन्तकों की मदद से बड़े क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

हमारी संस्था की पंचवर्षीय योजना के आधार पर यह वर्ष भी महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा एवं बच्चों की स्वास्थ्य एवं शिक्षा व पारम्पारिक जैविक खेती से सम्बन्धित कर्यक्रमों के लिये था। इसी को दृष्टिगत रखते हुये संस्था ने इस वर्ष के भी कार्यक्रम संचालित किये है। संस्था प्रमुखतः इन्हीं कार्यक्रमों पर फोकस कर रही है।

एकल महिला संगठन :– (विधवा, परित्यक्ता या ऐसी महिलाये जिन्हें किसी कारण वश अकेले रहना पड़ता है) इसमें संख्या तो ज्यादा है पर जिन्होंने सदस्यता ली है वे

क्र.	राज्य	जिला	विकास खण्ड	संख्या	कुल समूह	महिलाओं की संख्या
1.	मध्यप्रदेश	बैतूल	आठनेर	31	43	890
2.	महाराष्ट्र	अमरावती	चान्दूबाजार	40	62	1240
योग	**2**	**2**	**2**	**71**	**105**	**2130**

एकल महिलाओं के साथ हम नियमित बैठक करते है '' एकल महिला संद्य'' का गठन किया गया है और जो महिलायें एकल महिला संद्य में पंजीकृत है उनके साथ हम सामाजिक आर्थिक एवं कानूनी मुद्दों पर काम करते है। एकल महिलाओं की समस्याओं व मॉगों पर एक मॉग पत्र बनाकर मुख्यमंत्री को भी दिया गया है। इसी प्रकार महाराष्ट्र में महिला बाल विकास मंत्री को ज्ञापन दिया गया है।

<u>आर्थिक सहयोग हेतू ''कियोस'' का संचालक</u> :– 4 एकल महिला एवं 2 कार्यकर्ताओं को **''सेवा संस्था''** छत्तीसगढ़ एवं **''पिपुल्स बाईट''** की तरफ से प्रशिक्षण दिलाकर 2 जगह **''कियोस''** प्रारंभ करने की योजना थी। परन्तु बहिरम् महाराष्ट्र में एक ही जगह यह शुरू करवा पाये। इसमें छोटे–छोटे इलेक्ट्रॉनिक समान रखकर इसे चलाना मेला अवधि में तो बहुत अच्छा अनुभव रहा। पर बाद में महिलायें चलाने में असफल रही इसके कई कारण थे जिसमें एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक समान की जानकारी का अभाव व इस पर पर्याप्त समय न देना।

एकल महिलाओं के पेंशन व अन्य योजनाओं से जोड़ने में भी उनकी पंचायत से जोड़कर हमने काफी प्रयास करके मदद की गई। उनके सही फार्म भरवाना, सही दस्तावेज लगवाना व उनको सही योजनाओं से जोड़कर उन तक पहुॅचाने में मदद की।

<u>स्वयं सहायता समूह संगठन (SHG)</u> :– 20 गॉव में ऐसे स्वयं सहायता समूह जो स्कूल मध्याह्न भोजन (MDM) व ऑगनवाड़ी में पोषण आहार बनाने का प्रशिक्षण व उनकी समस्या को सुलझाने हेतू प्रयास कर रहे है। समूहों की समस्या का एक ज्ञापन बनाकर मुख्यमंत्री को भी दिया गया है।

<u>''साथिन फेडरेशन'' (साथिन महिला उत्थान समिति)</u> :– के साथ इस बार भी महिलाओं को संगठित करने व उनकी आर्थिक समस्याओं को सुलझाने हेतू उनके साथ मिलकार प्रयास किये गये।

<u>स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण</u> :– आस–पास जिलों की संस्थाओं के साथ SHG को क्षमता विकास प्रशिक्षणों का आयोजन भी किया गया। ये सभी प्रशिक्षण हमने उन्हीं जगहों पर जाकर किये जहॉ ये सदस्य रहते है। समूहों को हम आय उत्पादन गतिविधियों से भी जोड़ने का प्रयास कर रहे है। शासकीय कार्यक्रमों, योजनाओं से भी इन समूहों को व उनके सदस्यों को जोड़ा गया है।

पंचायती राज एवं महिलायें :– ग्राम पंचायत एवं ग्रामसभा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने हेतू हमने 20 पंचायतों में ग्रामसभा में भागीदारी बढ़ाने व महिलोउन्मुखी योजना का लाभ महिलाओं तक पहुॅचाने में जनप्रतिनिधियों व ग्रामसभा की सदस्यों के साथ कार्य किया और ग्रामसभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया। हमारे प्रयास के परिणाम स्वरूप अप्रेल से अगस्त के बीच में होने वाली ग्रामसभाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ी है। उन्होंने अपने मुद्दे उठाये व उनपर अमल भी करवाया गया।

<u>महिला हिंसा एवं विकल्प</u> :– जनरल कॉन्फ्रेन्श ऑफ फ्रेन्ड ऑफ इण्डिया (GCFI) के सहयोग से 2 कार्यक्रम एकल महिलाओं के लिये किये गये। इन कार्यक्रमों में महिलाओं को अपनी स्थिति समझने व क्या गलत/सही है उसे समझने में मदद मिलती है। यह कार्यक्रम तीन दिवसीय थे एक कार्यक्रम में 30,30 महिलाओं ने भाग लिया।

''सेवा साथिन'' :– वेब पंचायत (कोर प्रोजेक्ट) सहयोगी **''रिवेली इन्फो सलुशन''** के साथ हमने ग्राम पंचायतों में लोगों को शासकीय योजनाओं की जानकारी देने व उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाये हेतू **''मोबाइल एप''** के सहयोग से –

हम वर्तमान में हम म.प्र 25 व महाराष्ट्र में 8 पंचायतों में कार्य कर रहे है। एक पंचायत में एक सेवा साथिन कार्य करती है। वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है –

क्र.	राज्य	जिला	विकास खण्ड	सेवा साथिन महिला कुल प्रशिक्षाणार्थियों की संख्या	वर्तमान कार्यरत्	सेवा साथी पुरूष पुरूष		मोबाइल दिये
						कुल प्रशिक्षण	कार्यरत्	
1.	मध्यप्रदेश	बैतूल	भैसदेही / आठनेर	32	23	2	2	23+2
2.	महाराष्ट्र	अमरावती	चांदूरबाजार	18	8	1	0	8
	कुल			**50**	**31**	**3**	**2**	**33**

हमने Redme5A फोन सभी सेवा साथिन को लोन पर दिये। इस कार्यक्रम मे जो सेवा साथिन है उन्हें संस्था से कोई मानदेय नहीं दिया जा रहा, जो भी सेवा ये लोगों को देती / देते है वह तय राशि के अनुसार सेवा साथिन को भुगतान करता है।

इस कार्यक्रम का फायदा है कि लोगों को बिना सरकारी कार्यालय जाये हुये, गॉव में ही अपने घर में जानकारी व मदद मिलती है। उनका समय व पैसा भी बचता है।

शिक्षा एवं किशोरी बालिकाये :– टेमनी परिसर में पिछले शिक्षा सत्र में 24 बालिकाये 8 वी 9 वी व दसवी कक्षा की ये सभी बालिकाये ऐसे गॉवों से है जो बहुत सुदूर क्षेत्र है जहॉ से स्कूल तक रोज आना–जाना मुश्किल था ऐसे में बालिकाओं की पढ़ाई बंद हो जाती है। **''मॉसी मॉ का घर ''** है जो ऐसी बालिकाओं को आगे बढ़ने में मदद करता है।

इंग्लिश ई–टीच कार्यक्रम :– ''चाइल्ड राईट एलायन्स'' के सहयोग से बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट का कार्यक्रम महाराष्ट्र के अमरावती जिले के चांदूरबाजार के 25 गॉवों के प्राथमिक स्कूलों (कक्षा 1 से 4 तक) बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य था कि यदि सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी नहीं पढ़ाई जायेगी तो वे धीरे–धीरे बच्चों की संख्या कम हो जायेंगी। बच्चों का प्रायवेट स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में बच्चों का पलायन रोकने के लिये यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। डिजिटल स्कूलों में यह कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

क्र	राज्य	जिला	तालुका	गॉव की संख्या	प्रायमारी डिजिटल स्कूलों की संख्या	कक्षावार बच्चों की संख्या जो इस कार्यक्रम का लाभ ले रहे है		
1.	महाराष्ट्र	अमरावती	चांदूरबाजार	25	25	कक्षा	बालक	बालिका
						पहली	161	158
						दूसरी	215	218
						तीसरी	201	190
						चौथी	232	209

समस्या ग्रस्त कृषि एवं महिलाओं की भूमिका :– पर हम महिला समूहों व युवा समूहों के साथ काम कर रहे है। इसमें पारम्पारिक खेती, जैविक खेती बीज, खाद् व अन्य समस्याओं को कैसे कम किया जाये, सरकार तक अपनी समस्याये कैसे पहुॅचायी जाये इस पर कार्य किया जा रहा है। इसमें नियमित मासिक बैठक, एक्सपोंजर विजिट व अन्य प्रचार–प्रसार के कार्यक्रम चलाये जा रहे है।

बीज बैंक :– संस्था ने अपने कार्यक्षेत्र के पॉच गॉव में पिछले वर्ष से यह अभियान चलाया है। इस क्षेत्र विशेष में जो पारम्पारिक फसले थी जो अब बिरले ही कोई बोते है उन बीजों को ढूॅढा जाये व संग्रहित कर अगले वर्ष उन्हें बोकर उसकी मात्रा में वृद्धि की जाये। पिछले वर्ष ऐसे 19 प्रकार के बीजों को संग्रहित किया गया।

क्र.	जिला	विकास खण्ड	ग्राम	बीज का नाम
1.	बैतूल	आठनेर	टेमनी	ज्वार,मक्का,कुलथी,बरबटी लाल, उड़द, मोंठ, मूंग, बाजरा, जगनी, सन, अम्बाड़ी, मंडगी, तिल
2.			पाटादा	कुलथी, बरबटी, तुॅअर, बड़ी ज्वार, बाजरा, कुटकी
3.			धावड़ी	बड़ी ज्वार, कुलथी
4.			जामुनढाना	ज्वार, तुॅअर, जगनी, मक्का
5.			भुसकुम	लाल बरबटी, नल सकरी, गाव रानी, ज्वार, जगनी, लसकी बाजरा, सावा

जैविक खेती :– को बढ़ावा देने हेतू संस्था लगातार प्रयासरत है। इस हेतू हम गौ पालन व जैविक पद्धति से खाद्, कीटाणुनाशक व अन्य पोषक तत्वों पर प्रशिक्षण व उत्पादन कर कार्य कर रहे है इसके लिये संस्था के अपने परिसर में भी गोवंश रखा गया है, जैविक खेती को बढ़ावा देने व उसकी विभिन्न पद्धतियों को समझने के लिये हमने किसानों व कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण व एक्सपोंजर पर भेजा। इसमें प्रमुख है।

क्र.	व्यक्तिगत/संस्था	किसानों की संख्या		कार्यकर्ताओं की संख्या		विषय/पद्धति
		महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	
1.	श्री.सुभाष पालेकर का 3 दिवसीय प्रशिक्षण	6	–	–	1	0 बजट पद्धति खेती
2.	श्री.राजू टाइटर 1 दिवसीय एक्सपोजर	3	3	1	0	ऋषि खेती व जंगली खेती
3.	श्री.अबीर बोरकर 2 दिवसीय	–	2	1	0	बीज संग्रहण

फील्ड प्लेसमेंट :– हिन्दी विश्व विद्यालय वर्धा से MSW प्रथम वर्ष की छात्रा मिशन समृद्धि चेन्नई के सहयोग से व एक छात्र BSW प्रथम वर्ष का स्वयं की पहल पर 1 माह के लिये संस्था में आये परन्तु उनका पढ़ाई/काम में कोई एक्सपोजर न होने के कारण उनका संस्था में कोई योगदान नहीं रहा।

विभिन्न संस्थाओं के साथ सहयोगी के तौर पर संस्था वर्तमान में विभिन्न नेटवर्क संस्थाओं के साथ कार्य कर रही है –

क्र.	संस्था संगठन	विषय
1.	CIALF	किसान/किसानी एवं ग्राम
2.	किसान मित्र मध्य भारत	युवा किसान/एकल महिलाये
3.	चाइल्ड राइट एलायन्स	प्रायमारी शिक्षा एवं राइट टू एजुकेशन
4.	म.प्र वालेन्टरी एसोसियेशन	स्वास्थ्य
5.	सारथी (जी टीवी नेटवर्क)	महिलाओं को जीविकोपार्जन एवं शिक्षा

सिरडी समाधान नम्बर :– द्वारा हम महिलाओं को फोन द्वारा सहायता उपलब्ध करवाते है जिला गॉव महिलाओं के साथ हम कार्य करते है। उन सभी के साथ हमने सिरडी समाधान केन्द्र के नम्बर दिये हुये है ये नम्बर हम सारथी (जी टी.वी नेटवर्क) एवं बैतूल में एकता प्रोजेक्ट द्वारा जन सुनवाई में आई हुई महिलाओं को मदद पहुॅचाने में भी उपयोग करते है।

श्रमसाधक समाज दिवस एवं पुष्पाजंलित कार्यक्रम :– हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी डॉ.शर्मा की स्मृति में 26 मई को टेमनी परिसर में एक दिवसीय **''युवा श्रम साधक समाज''** का कार्यक्रम रखा गया इसी प्रकार उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुये पुण्यतिथि के रूप में महिला सशक्तिकरण पर 1 दिवसीय कार्यक्रम टेमनी में रखा गया।

भविष्य की रणनीति 2019 से 2023 की कार्ययोजनाहेतू हम निम्न रूप से इन व्यक्तियों/विषयों पर अपना फोकस रखेंगे –

1. एकल महिलायें व उनका संगठन
2. स्वयं सहायता समूह (विशेष रूप से स्कूल, ऑगनवाड़ी में खाना बनाने वाले समूह,
3. पारम्पारिक कृषि पद्धति एवं पारम्पारिक स्वास्थ्य व महिलाये,
4. कृषि एवं पोषण आहार,
5. पारम्पारिक स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण आहार 0 से 18 वर्ष तक की उम्र के लिये,
6. महिला स्वास्थ्य,
7. पंचायती राज एवं महिलायें एवं ग्रामसभा में उनकी भूमिकायें।